

## हरति दवाली- स्वस्थ दवाली

### चर्चा में क्यों?

- दवाली पर जलाए जाने वाले पटाखों के प्रतिकूल प्रभावों के साथ-साथ दीपों के त्योहार के महत्त्व को ध्यान में रखते हुए पर्यावरण मंत्रालय ने हरति दवाली अभियान शुरू किया है।
- इस वर्ष यह अभियान पूरे देश में चलाया जाएगा। 'हरति दवाली-स्वस्थ दवाली' अभियान का वलिय अब 'ग्रीन गुड डीड' अभियान में कर दिया गया है जिसकी शुरुआत पर्यावरण संरक्षण के लिये सामाजिक एकजुटता के रूप में की गई है।

### पृष्ठभूमि

- हरति दवाली-स्वस्थ दवाली कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 2017-18 में ही हुई थी।
- उस दौरान बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों, वशिषकर इको-क्लब से जुड़े बच्चों ने इस अभियान में भाग लिया था और कम-से-कम पटाखे फोड़ने की शपथ ली थी।
- बच्चों को इसके तहत अपने रशितेदारों एवं मतिरों को मठाइयों सहति पौधे उपहार स्वरूप देने और अपने घरों एवं आसपास के कषेत्रों की सफाई करने की सलाह दी गई थी। यह अभियान अत्यंत सफल रहा था और वर्ष 2016 की तुलना में वर्ष 2017 में दीपावली के बाद वायु प्रदूषण ने विकिराल रूप धारण नहीं किया था।
- उपरोक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए पर्यावरण मंत्रालय ने एक बार फरि इस अभियान को शुरू किया है।

### पटाखों का दुष्प्रभाव

- पटाखों में कई ज्वलनशील रसायन होते हैं जनिमें पोटेशियम क्लोरेट पाउडर वाला अल्युमीनियम, मैग्नीशियम, बेरियम, तांबा, सोडियम, लथियम, स्ट्रॉन्टियम इत्यादि शामिल हैं।
- इन रसायनों के जलने पर तेज़ आवाज़ के साथ बहुत ज्यादा धुआँ भी निकलता है। इस धुएँ और आवाज़ से बच्चों एवं बुजुर्गों में स्वास्थय संबंधी गंभीर समस्यएँ पैदा हो जाती हैं। इतना ही नहीं, यह धुआँ पशुओं और पक्षियों के लिये भी नुकसानदेह होता है।

### सरदियों में बढ़ जाता है वायु प्रदूषण

- देश में वशिषकर उत्तरी हसिसों में सरदियों के दौरान वायु प्रदूषण, गंभीर स्वास्थय समस्यया का रूप धारण कर लेता है।
- कृछ राज्यों में पराली को जलाने, कचरा सामग्री को जलाने और मौसम से जुड़ी स्थतियों और धूल कणों के कारण देश के उत्तरी कषेत्र में वायु प्रदूषण अत्यधिक बढ़ जाता है।
- इस वायु प्रदूषण से बच्चों, बुजुर्गों और साँस की बीमारीयों से पीड़ति लोगों की स्वास्थय संबंधी समस्यया और भी गंभीर हो जाती है।
- इसी अवधि के दौरान लोग प्रकाश उत्सव 'दीपावली' को भी काफी धूमधाम से मनाते हैं। ज़्यादातर लोग पटाखे जलाकर ही दीपावली मनाना पसंद करते हैं। पटाखे जलाने से वायु प्रदूषण की समस्यया और अधिक विकिराल रूप धारण कर लेती है।